

लोकदूषण वि. (तत्.) 1. लोगों को हानि पहुँचाने वाला 2. लोक या लोगों में दोष निकालने वाला
 पुं. लोक या समाज में व्याप्त दोष, समाज या लोगों की बुराईयाँ।

लोकधर्म पुं. (तत्.) धर्म के रूप में प्रचलित और व्याप्त जन साधारण के वास्तविक धर्म से भिन्न विविध कार्यकलाप, बातें तथा आचरण जैसे- भूत-प्रेत की मान्यता व पूजा, वीर-पूजा आदि।

लोकधारिणी स्त्री. (तत्.) लोक को धारण करने वाली, धरित्री, धरती, पृथ्वी।

लोकधुनि स्त्री. (तद्.) लोकध्वनि, किंवदन्ती, अफवाह।

लोकन पुं. (तत्.) अवलोकन, देखने की क्रिया या भाव।

लोकना स.क्रि. (तद्.) फेंकी हुई या उड़ती-गिरती किसी चीज़ के धरती तक आ पाने से पहले ही उसे ऊपर ही ऊपर हवा में पकड़ लेना जैसे- कटी पतंग लोकना- बीच में ही पकड़ लेना।

लोकनाट्य पुं. (तत्.) जनसाधारण द्वारा बिना शास्त्रीय नियमों के स्वयं ही तैयार किए गए वे नाटक या अभिनय जिन्हें अभिनव उद्भावनाओं द्वारा जन-साधारण को दिखलाया जाता है जैसे- नौटंकी, रासलीला, कठपुतली का नाच।

लोकनाथ पुं. (तत्.) 1. ब्रह्मा 2. गौतमबुद्ध 3. लोकपाल।

लोक-निर्माण पुं. (तत्.) लोक-वस्तु, लोगों के हित की वस्तुओं को तैयार करने का भाव या कार्य (पुल, सड़क, भवन आदि का निर्माण)।

लोक-निर्माण विभाग पुं. (तत्.) वह विभाग जो लोक के लिए भवन, सड़कें तथा पुल आदि बनाने का कार्य करता है।

लोकनी स्त्री. (देश.) लोकंदी, विवाह में कन्या की डोली के साथ भेजी गई दासी।

लोकनीय वि. (तत्.) दर्शनीय, अवलोकन करने योग्य।

लोकनृत्य पुं. (तत्.) शास्त्र सम्मत/नृत्य कला विहीन वे नृत्य या नाच जो ग्रामीण एवं देहाती वातावरण में लोगों द्वारा उमंग में किए या नाचे जाते हैं folk dance जैसे- मणिपुरी, संथाली, धोबियों आदि के नृत्य।

लोकपद पुं. (तत्.) जनसमुदाय या लोक की सेवा से संबंधित राजकीय पद या ओहदा public office जैसे- तहसीलदार, बी.डी.ओ. आदि के पद।

लोकपाल-पितामह पुं. (तत्.) ब्रह्मा।

लोक-प्रत्यय पुं. (तत्.) 1. संसार में सभी जगह दिखने या मिलने वाला 2. वह जो संसार में सर्वत्र प्रचलित हो (प्रथा आदि)।

लोक-प्रवाद पुं. (तत्.) 1. वह सामान्य बात जिसे संसार में सभी लोग कहते और समझते हों 2. लोकप्रचलित किंवदन्ती या प्रवाद, सर्वसाधारण में प्रचलित बात।

लोक-प्रवाही पुं. (तत्.) वह व्यक्ति जो लोगों की प्रवृत्ति या रुख को देखकर उसी के अनुसार चलता हो वि. समाज के लोगों के रुख या प्रवृत्ति को देखकर आचरण करने वाला, दुनिया के साथ चलने वाला।

लोकप्रिय वि. (तत्.) बहुत से लोगों को प्रिय और रुचिकर लगने वाला, समाज के बहुमत की पसंद या रुचि के अनुकूल होने वाला।

लोकप्रियता स्त्री. (तत्.) लोकप्रिय होने की अवस्था या भाव। popularity

लोक-बंधु पुं. (तत्.) 1. शिव 2. सूर्य।

लोक-बाह्य वि. (तत्.) 1. दुनिया से भिन्न 2. संसार या लोक में न होने या न दिखाई देने वाला, 3. साधारण जनसमाज में न होने वाला 4. समाज या बिरादरी से बहिष्कृत 5. शक्की, सनकी।

लोकभावन स्त्री. (तत्.) समाज या लोक का उपकार, भलाई एवं सेवा करने की प्रवृत्ति या भावना। public spirit